प्रवेशिका द्वितीय वर्ष

तबला-परवावज

पूर्णांक:125, **न्यूनतम**:44

शास्त्र 50, **न्यूनतम**:18

क्रियात्मक:75, **न्यूनतम**:26

शास्त्र:

1) विलंबित मध्य तथा द्रुतलय का ज्ञान|

2) तबला/पखावज के विभिन्न वर्ण और उन्हें अपने वाद्य पर निकालने की विधि:

   अ) केवल दाहिने हाथसे बजने वाले वर्ण

   ब) केवल बाये हाथसे बजने वाले वर्ण

   क) दोनो हाथसे एक साथ बजने वाले वर्ण

3) निम्नलिखित बोलों की निकास विधि लिखिये:

   तिरकिट तकडां, कडधा, किटतक, धिडनग, धिरधिर, त्रक, क्डधान्, गदीगन

4) पं. भातखंडे तथा पं. पलुस्कर ताल लिपि पद्धतियों की संपूर्ण जानकारी|

5) निम्नलिखित तालों को दोनों ताल लिपि पद्धतियों में लिपि बद्ध करने का अभ्यास:

   तबला : त्रिताल, दादरा, कहरवा, झपताल, रूपक

   पखावज : चौताल, सूलताल, तीव्रा, धमार, तथा आदिताल

6) त्रिताल/चौताल तथा झपताल/सूलताल के टुकडों को पं. भातखंडेताललिपि पद्धति में लिपिबद्ध करने का अभ्यास

7) निम्नलिखित शब्दों की परिभाषा:

   कायदा, रेला, पलटा, तिहाई, मुखडा, लग्गी, उठान, चक्रदार, मोहरा

क्रियात्मक:

१) निम्नलिखित तालों के ठेकों को हाथ से ताल देकर दुगुन लय में बोलने का तथा बजाने का अभ्यास:

   तबला : धुमाली, दिपचन्दी, चौताल, तेवरा

   पखावज : धमार, तीव्रा, त्रिताल

२) इस वर्ष के शास्त्र पक्ष में उल्लिखित सभी बोलों को भलीभाँति निकालने की क्षमता

३) निम्नलिखित तालों में विस्तार

   (तबले के विद्यार्थी)

   अ) त्रिताल: 'त्रक' तथा 'धातीधागे' का, एक-एक कायदा, चार पलटे, तिहाई एक रेला, चार किस्म एक चक्रदार, दो टुकडे,

   ब) झपताल : एक कायदा, दो तिहाई,

   क) एकताल : दो तिहाई, दो टुकडे,

   ड) दादरा तथा कहरवा मे दो सरल लग्गीयाँ

इ) रूपक : दो किस्म, दो तिहाई, दो टुकडे

(पकावज के विद्यार्थी)

अ) चौताल : दो रेले, एक पडार, दो साधारण परने, दो चक्रदार परने तथा दो टुकडे

ब) सूलताल : एक रेला, दो परने,

क) धमार : दो परने, दो तिहाईयाँ, दो टुकडे

ड) तीव्रा : ठेके के दो प्रकार, दो परन, दो तिहाईयाँ

४) तबला : छोटा ख्याल अथवा रजाखानी गत के साथ त्रिताल में संगत करने की क्षमता|

पखावज: ध्रुपद के साथ संगत करने की क्षमता

५) क्रियात्मक मे लिखित सभी रचना प्रकारों की हाथ से ताल देकर पढन्त.

अंकपत्रिका:

सूचना: १) इस परीक्षा के लिए हर एक विद्यार्थी को 20 मिनिट का समय निर्धारित किया गया है|

२) विद्यार्थी को सभी वादन लहरा के साथ करना होगा|

३) पखावज के लिए पाठ्यक्रमानुसार पखावज के ताल पूछे जाएँगे|

1) तालों के ठेके तथा उनकी दुगुन बजाना	-	10 अकं
2) निकास	-	05 अकं
3) त्रिताल मे वादन	-	20 अकं
4) झपताल, एकताल, रूपक मे वादन	-	15 अकं
5) दादरा तथा कहरवा में लग्गियाँ	-	05 अकं
6) साथसंगत(क्रियात्मक पाठ्यक्रम के अनुसार)	-	05 अकं
7) हाथ से ताल देते हुऐ पढन्त	-	10 अकं
8) सामान्य प्रभाव	-	05 अकं

कुल मौखिक - 75 अकं